एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

# एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, अष्टमी,
गुरुवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

19 दिसंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

## हर आयु वर्ग को अच्छे संस्कार दे रहा संघ : भारद्वाज

**जगाधरी**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चंद्रशेखर शाखा जगाधरी का वार्षिक उत्सव सेक्टर-17 मे मनाया गया। विभिन्न प्रकार के शारीरिक कार्यक्रमों का स्वयंसेवकों द्वारा प्रदर्शन किया। दंड प्रयोग, योगासन, व्यायाम योग, सामूहिक समता, सूर्य नमस्कार और खेल विशेष रूप से थे।

शाखा का वार्षिक प्रतिवेदन शाखा कार्यवाह हरीश ने प्रस्तुत किया। अध्यक्षता राजकुमार भारद्वाज ने की। उन्होंने कहा कि आज के समाज मे संघ की उपयोगिता के बारे मे कहा की संघ समाज मे छोटे बच्चों से लेकर बड़ी आयु के व्यक्तियों को अच्छे संस्कार दे रहा है, जो की समाज मे अत्याधिक लाभदायक सिद्ध हो रहा है। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अंबाला विभाग के संपर्क प्रमुख रामकुमार रहे। उन्होंने संघ के इतिहास के बारे मे बताया। 1925 मे डॉ. केशव राव बलीराम हेडगेवार द्वारा 8-10 बच्चों को लेकर नागपुर मे संघ की शुरुआत की थी। आज देश के लगभग 60 हजार स्थानों पर संघ की शाखा लगती है। बिना किसी सरकारी सहायता के आज संघ विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। समाज के प्रत्येक क्षेत्र मे संघ के विभिन्न संगठन काम कर रहे है । सभी संगठन अपने अपने क्षेत्रों मे अनेक आयाम स्थापित कर रहे है। समाज को आपस मे समरस होना चाहिए।

# सीएए पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगाने से मना किया, सुनवाई रहेगी जारी

**कोर्ट जाने वाले चेहरे सामने आए, सीएए के समर्थन में देशभर में छात्रों की रैली**

**नई दिल्ली**

नागरिकता संशोधन कानून पर विपक्षी दल इस पर रोद लगाने की मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे लेकिन कोर्ट ने इसपर रोक लगाने से मना कर दिया। कोर्ट ने इस पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 22 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट में सीएए को लेकर 59 याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इन पर चीफ जस्टिस एसए बोबड़े, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्य कांत की बेंच ने सुनवाई की है।

याचिकाकर्ताओं में कांग्रेस के नेता जयराम रमेश, AIMIM के असदुद्दीन ओवैसी, TMC की महुआ मोइत्रा, RJD के मनोज झा, जमीयत उलेमा ए हिंद, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग शामिल हैं. ज्यादातर याचिकाओं में धर्म के आधार पर शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले कानून को संविधान के खिलाफ बताया गया है। इसके अलावा वामदल भी इस मामले में याचिकाएं लगाने वाले हैं। मुरलीगंज में सीएए के समर्थन में निकाला बाइक जुलूस नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थन में बुधवार को विभिन्न दलों के कार्यकर्ता सड़क पर उतर गए। बिहार के मुरलीगंज में बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दर्जनों कार्यकर्ता ने बाइक जुलूस निकालकर समर्थन जताया।

### हिंसा में कांग्रेस के पूर्व विधायकों के नाम, आप नेता पर भी एफआईआर

जामिया नगर में हुई हिंसा में दिल्ली पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की है। इनमें कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ खान और चौधरी मतीन अहमद का नाम सामने आया है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी की छात्र विंग का एक पदाधिकारी का भी नाम है। एफआईआर में शामिल आसिफ खान दिल्ली के ओखला से कांग्रेस के पूर्व विधायक हैं। इनपर आरोप है कि जामिया में हुई हिंसा में ये दंगाइयों को भड़का रहे थे। अब आसिफ खान सफाई दे रहे हैं और पुलिस पर दंगा कराने का आरोप लगा रहे हैं। सीएए के विरोध में दिल्ली के सीलमपुर और उसके आसपास के इलाकों में कल दोपहर भड़की इस हिंसा में भी कांग्रेस के एक पूर्व विधायक पर आरोप लग रहे हैं। सीलमपुर के इस पूर्व विधायक का नाम है चौधरी मतीन अहमद है। सीलमपुर में रिपोर्टिंग के दौरान प्रदर्शन कर रहे कुछ ऐसे लोग भी मिले जिन्होंने बताया कि वो सीलमपुर से कांग्रेस के पूर्व विधायक चौधरी मतीन अहमद के कहने पर आए थे। एफआईआर में आम आदमी पार्टी की स्टूडेंट विंग के सदस्य कासिम उस्मानी का भी नाम है।

# राम मंदिर ट्रस्ट में भाजपा का कोई पदाधिकारी नहीं होगा

**भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कहा, संतों ने किया घोषणा का स्वागत**

**अयोध्या**

उत्तर प्रदेश में अयोध्या के संत और मुस्लिम पक्षकारों ने केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के उस बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि राम मंदिर निर्माण के लिए बनने वाले ट्रस्ट में बीजेपी का कोई पदाधिकारी शामिल नहीं होगा। इस तरह से भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि अब मंदिर समाज और संतों के पास रहेगा और भाजपा का इस पर कोई नियंत्रण नहीं रहेगा।

संतों का कहना है कि अमित शाह ने यह बयान सोच समझकर दिया है।

संतो ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि राजनीतिक लोग मंदिर निर्माण के लिए बनाए जाने वाले ट्रस्ट से यदि दूर रहते हैं, यह बात दूरगामी दृष्टि से कही गई है। अयोध्या के संतों की मांग है कि राम मंदिर का निर्माण में धार्मिक सच्चरित्र और सद्भाव को बढ़ावा देने वाले लोग ट्रस्ट में शामिल हों। उन्होंने ये भी कहा कि जो लोग रामलला को समर्पित हैं, उन पर भी ध्यान देना चाहिए।

रामलला के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने कहा कि अमित शाह का बयान स्वागत योग्य है. राम मंदिर के लिए जो भी ट्रस्ट बने उसमें बुद्धिजीवी और समझदार लोग शामिल हों क्योंकि ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी है. वहीं अयोध्या संत समिति के कन्हैया दास ने कहा कि समिति अमित शाह के कथन का स्वागत करती है. उन्होंने सोच-समझकर ये कहा है। ये अच्छी बात है कि गैरराजनीतिक लोग राम मंदिर निर्माण के ट्रस्ट में शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि रामलला की सेवा में अपना जीवन लगा देने वाले बहुत से भक्त हैं, जिन पर भी विचार किया जाना चाहिए। मामले में अयोध्या केस के मुस्लिम पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने कहा कि जो लोग श्रद्धा से भगवान राम की बात मानते हैं, चाहते हैं। हम भी चाहते हैं कि खूबसूरत भव्य मंदिर बने। भगवान के बताए रास्ते पर चलें। मंदिर पर राजनीति न करें, कोई फायदा नहीं होगा। ये धर्म का मामला है, इसमें राजनीति मिली तो मंदिर निर्माण का कार्य लटक जाएगा। आंदोलन से जुड़े रहे राम विलास वेदांती ने भी इसका स्वागत किया है।